भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 4097
उत्तर देने की तारीख: सोमवार, 18 अगस्त, 2025
27 श्रावण, 1947 (शक)

मेरठ में ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों का संरक्षण

4097. श्री अरूण गोविल:

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या मेरठ जिला ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक रूप से बहुत समृद्ध तथा 1857 की क्रांति की जन्मभूमि है और यह अनेक प्राचीन मंदिरों, स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी स्मृतियों, पुरातात्विक स्थलों एवं अन्य सांस्कृतिक धरोहरों के साथ-साथ अपनी पारम्परिक शिल्पकला, हस्तशिल्प एवं खेल संस्कृति के लिए भी इसकी देश-विदेश में अपनी विशिष्ट पहचान है;
(ख) यदि हां, तो मेरठ जिले में स्थित ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों को पर्यटन स्थलों के रूप में संरक्षित करने, बढ़ावा देने और विकसित करने के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही अथवा चलाई जाने वाली योजनाओं का ब्यौरा क्या है; और
(ग) इन योजनाओं के लिए स्वीकृत बजट और इनके कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
संस्कृति और पर्यटन मंत्री
(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) और (ख): प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 के अंतर्गत मेरठ जिले में 8 प्राचीन स्मारक, पुरातत्वीय स्थल एवं अवशेष राष्ट्रीय महत्व के रूप में घोषित किए गए हैं। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा इनका संरक्षण, परिरक्षण और वार्षिक अनुरक्षण, जिसमें पर्यावरणीय प्रस्तुति भी शामिल है, इनकी आवश्यकतानुसार धन और संसाधनों की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए किया जाता है। इसके अतिरिक्त, संरक्षित स्मारकों और स्थलों का रखरखाव और अनुरक्षण किया जाना, एक सतत् प्रक्रिया है। इसके अतिरिक्त, पेयजल, शौचालय, रास्ते, रैम्प आदि जैसी सुविधाओं के साथ-साथ वाई-फाई, कैफेटेरिया, इंटरप्रिटेशन सेंटर, साइनेज आदि जैसी सुविधाएँ आवश्यकता और संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर प्रदान की जाती हैं।

स्वदेश दर्शन योजना (एसडी1.0) के तहत पर्यटन स्थल के लिए दो परियोजनाएं स्वीकृत हैं नामतः :-

(i) आध्यात्मिक सर्किट का विकास: बिजनौर-मेरठ-कानपुर देहात-बांदा-गाजीपुर-सलेमपुर-घोसी-बलिया-अम्बेडकर नगर-अलीगढ़-फतेहपुर-देवरिया-महोबा-सोनभद्र-चंदौसी-मिश्रिख-भदोही।

(ii) धरोहर सर्किट का विकास: कालिंजर किला (बांदा)-मगहर धाम (संत कबीर नगर)-चौरी चौरा, शहीद स्थल (फतेहपुर)-मौहर स्थल (घोसी)-शहीद स्मारक (मेरठ)।

(ग): स्वदेश दर्शन योजना (एसडी1.0) के तहत पर्यटन योजनाओं और इस हेतु स्वीकृत बजट का विवरण निम्नानुसार है:

(i) आध्यात्मिक सर्किट का विकास: बिजनौर-मेरठ-कानपुर देहात-बांदा-गाजीपुर-सलेमपुर-घोसी-बलिया-अम्बेडकर नगर-अलीगढ़-फतेहपुर-देवरिया-महोबा-सोनभद्र-चंदौसी-मिश्रिख-भदोही हेतु वर्ष 2016-17 में 67.51 करोड़ रुपए संस्वीकृत किए गए।

(ii) धरोहर सर्किट का विकास: कालिंजर किला (बांदा)-मगहर धाम (संत कबीर नगर)-चौरी चौरा, शहीद स्थल (फतेहपुर)-मौहर स्थल (घोसी)-शहीद स्मारक (मेरठ) हेतु वर्ष 2016-17 में 36. 65 करोड़ रुपए संस्वीकृत किए गए।

उपरोक्त योजनाओं के अतिरिक्त, पर्यटन विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मेरठ जिले में चलाई जा रही परियोजनाओं की सूची निम्नानुसार है:-

1. नौचंदी मंदिर का पर्यटन विकास।

2. भमौरी गाँव में शहीदों की स्मृति में स्थापित शहीद स्मारक का सौन्दर्यीकरण एवं संग्रहालय का निर्माण।

3. पूठ खास गाँव में अवस्थित अति प्राचीन पांडेश्वर महादेव मंदिर का पर्यटन विकास कार्य।

4. मेरठ में अवस्थित 1857 की क्रान्ति के स्थलों एवं शहीद स्मारक का पर्यटन विकास कार्य।

5. मेरठ में अवस्थित सरधना चर्च का पर्यटन विकास कार्य।

6. हस्तिनापुर, मेरठ का एकीकृत पर्यटन विकास कार्य।

उपरोक्त कार्यों (1 से 6) हेतु संस्वीकृत बजट 2848.61 लाख रुपये है।

यद्यपि, संरक्षित स्मारकों के संरक्षण हेतु कोई योजना नहीं है, फिर भी भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा वार्षिक संरक्षण कार्यक्रम के प्रावधानों के अनुसार संरक्षण और अनुरक्षण संबंधी कार्य किए जाते हैं । चालू वर्ष के लिए इन स्मारकों के संरक्षण और अनुरक्षण हेतु रखा गया प्रावधान और व्यय निम्नानुसार हैं:

प्रावधान: 112 लाख रुपए

व्यय: 11.39 लाख रुपए

(दिनांक 15.07.2025 तक)

*****